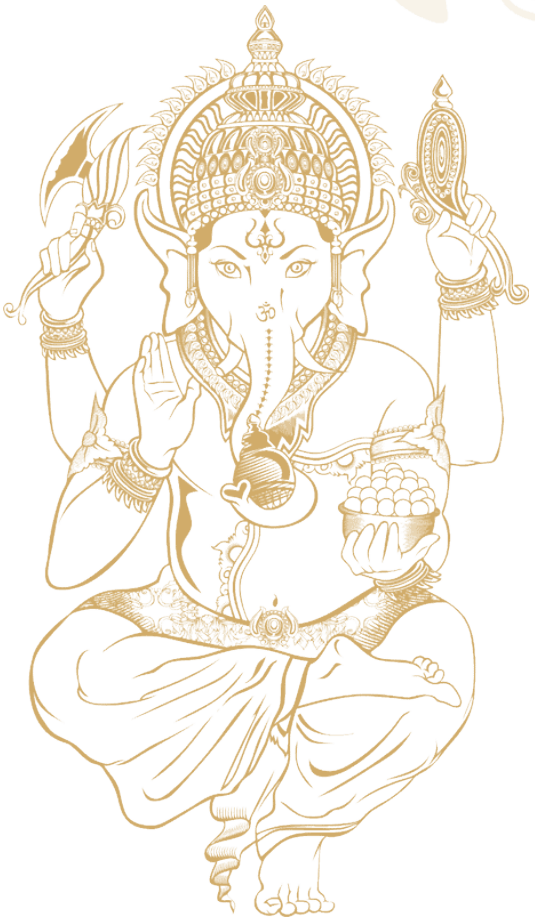

B

G

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119078602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/08/1997	जन्म तिथि	09/01/2000
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 09:45:00	जन्म समय	09:00:00 घंटे
घटी 10:25:16	जन्म समय(घटी)	05:26:13 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Basti
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:48:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	82:44:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:00:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:53	सूर्योदय	06:49:30
18:27:28	सूर्यास्त	17:22:29
23:49:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:13

विंशोत्तरी शुक्र 1वर्ष 7मा 3दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 2वर्ष 0मा 29दि
राहु	01:56:15	तुला	लग्न	कुंभ	00:04:03	राहु
29/03/2022	07:13:04	सिंह	सूर्य	धनु	24:18:39	07/02/2009
28/03/2040	25:36:16	मेष	चंद्र	मक	20:33:27	07/02/2027
राहु 09/12/2024	12:18:13	तुला	मंगल	कुंभ	10:02:23	राहु 21/10/2011
गुरु 04/05/2027	20:29:56	सिंह व	बुध	धनु	20:06:10	गुरु 16/03/2014
शनि 10/03/2030	21:19:08	मक व	गुरु	मेष	01:48:30	शनि 20/01/2017
बुध 27/09/2032	13:58:10	कन्या	शुक्र	वृश्चि	16:59:10	बुध 09/08/2019
केतु 15/10/2033	26:06:33	मीन व	शनि व	मेष	16:26:37	केतु 27/08/2020
शुक्र 15/10/2036	26:02:42	सिंह	राहु	कर्क	09:48:12	शुक्र 27/08/2023
सूर्य 09/09/2037	26:02:42	कुंभ	केतु	मक	09:48:12	सूर्य 21/07/2024
चन्द्र 11/03/2039	11:54:11	मक व	हर्ष	मक	21:21:09	चन्द्र 20/01/2026
मंगल 28/03/2040	03:53:28	मक व	नेप	मक	09:37:01	मंगल 07/02/2027
	09:02:12	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:51:43	

लग्न-चलित

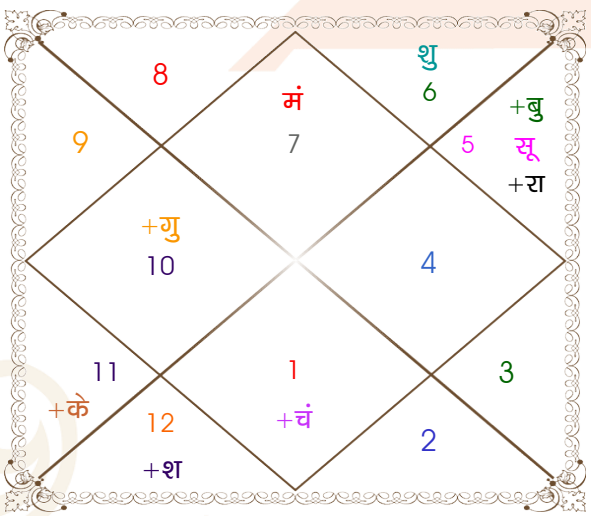

लग्न-चलित

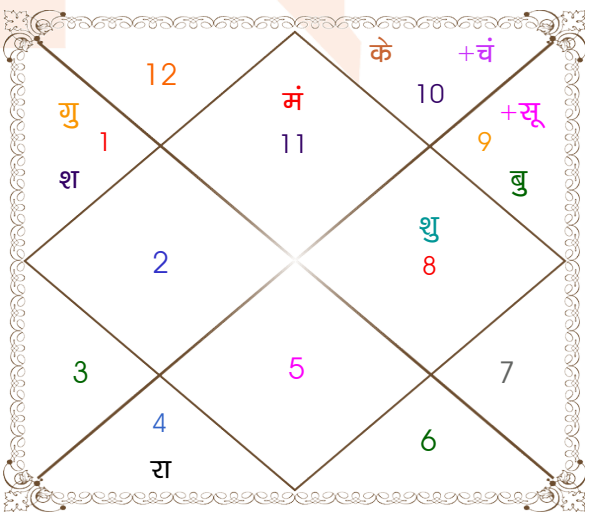

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

B का वर्ग मृग है तथा G का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार B और G का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

G मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु G कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु B कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

B तथा G में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।